सख़ी री मोहे लागे वृन्दावन प्यारा

सख़ी री मोहे लागे वृन्दावन प्यारा
==========
राधे, श्याम श्याम श्याम, xIIII-II
सख़ी री मोहे लागे, वृन्दावन प्यारा ॥
आली री मोहे लागे, वृन्दावन प्यारा ।
लागे, वृन्दावन प्या,,,रा* ॥
सख़ी री मोहे लागे, वृन्दावन प्यारा ।
आली री मोहे लागे, वृन्दावन प्यारा ।
राधे, श्याम श्याम श्याम, राधे श्याम, xII-II

मस्ती में झूमें, कदम की डाली ॥
यमुना जी, का किना,,,रा* ।
सख़ी री मोहे लागे,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,F

है रखवाला, स्वयं जहां का ॥
नंद का, राज दुला,,,रा* ।
सख़ी री मोहे लागे,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,F

मिटटी ब्रज की, माथ लगे तो ॥
मिल जाए, सुख सा,,,रा* ।
सख़ी री मोहे लागे,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,F

तन हो निर्मल, मन हो पावन ॥
जाए जो, इक्क वा,,,रा* ।
सख़ी री मोहे लागे,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,F

रास रचईया, कृष्ण कन्हईया
निज भक्तों, का सहा,,,रा* ।
सख़ी री मोहे लागे,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,F

रतन सिंघासन, आप विराजे ॥
मुकुट, तुलसी का धा,,,रा* ।
सख़ी री मोहे लागे,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,F

मीरा के प्रभु, गिरधर नागर ॥
भवजल, पार उता,,,रा* ।
सख़ी री मोहे लागे,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,F

राधे, श्याम श्याम श्याम, राधे श्याम, xII-IIII
हरी, बोल बोल बोल, हरी बोल, xII-IIII
हरे कृष्णा, हरे कृष्णा, कृष्णा कृष्णा हरे हरे ।
हरे राम, हरे राम, राम राम हरे हरे IIIIIIII

अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/30512/title/sakhi-ri-mohe-laage-vrindavan-pyara

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |